

प्रेषक,

शैलेश बगौली,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

पर्यटन निदेशालय,

देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 01 फरवरी, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में चालू योजना मद के अन्तर्गत एस0सी0एस0पी0 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2010-11 में स्वीकृत जनपद हरिद्वार के वार्ड नं0-1 मोहल्ला कड़च्छ का पर्यटन विकास हेतु अवशेष धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-123/VI(1)/2011-02(03)/2008, दिनांक 28 फरवरी, 2011 के क्रम में आपके पत्र संख्या-372/2-6-68/2015, दिनांक 8 दिसम्बर, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद हरिद्वार के वार्ड नं0-1 मोहल्ला कड़च्छ का पर्यटन विकास हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 में संस्तुत धनराशि ₹ 48.39 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति के सापेक्ष अवमुक्त धनराशि ₹ 20.00 लाख का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने पर योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में चालू योजना मद में प्राविधानित धनराशि ₹ 200.00 लाख में से ₹ 28.39 लाख (₹ अट्ठाईस लाख उनतालीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) उपरोक्त योजना की स्वीकृति एवं धनराशि अवमुक्त से सम्बन्धित पूर्व शासनादेशों में उल्लिखित शर्तें यथावत रहेंगी।
- (ii) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- (iii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (iv) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
- (v) विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vi) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- (vii) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा इसके क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (viii) आवंटित धनराशि का उपभोग 31 मार्च, 2016 तक कर लिया जाय। अवशेष धनराशि समयान्तर्गत शासन को समर्पित कर दी जाय।
- (ix) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरीत मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

CS

- (x) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047 / XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (xi) कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- (xii) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संवर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-47-निर्माण कार्य चालू-24-वृहत् निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।

3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400 / XXVII(1) / 2015, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 एवं शासनादेश संख्या-1336 / XXVII(1) / 2015, दिनांक 17 नवम्बर, 2015 के प्राविधानों द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S.16.0.226.001.5 द्वारा निर्गत किया जा रहा है।
संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)
सचिव।

संख्या:- 222 / VI(1) / 2016-02(03) / 2011, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी हरिद्वार को इस आशय से प्रेषित कि उक्त योजना की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 5- वित्त अनुभाग-2.
- 6- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, हरिद्वार।
- 7- सम्बन्धित निर्माण इकाई।
- 8- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(देवेन्द्र सिंह)
अनुसचिव।